eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन राघौगढ़ जनपद पंचायत, जिला गुना के विशेष सन्दर्भ में

[1]डॉ. रीनू सिंह
[2]प्रो0 (डॉ) विनोद सिंह भदोरिया
[1]प्राचार्य, एम पी एस शिक्षा महाविद्यालय, ग्वालियर म0प्र0
[2]हिन्दुपत इंस्टिट्यूट ऑफ़ टीचर ट्रेनिंग, राघौगढ़, गुना

Received: 20 Jan 2023, Accepted: 28 Jan 2023, Published with Peer Reviewed on line: 31 Jan 2023

Abstract

प्रस्तुत शोध पत्र में गुना जिले की अग्रणी विकसित जनपद पंचायत राघौगढ़ के अनुसूचित आबादी पंचायतों में संचालित शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करने का एक सफल प्रयास किया गया है। जिसमे शोध का न्यादर्श का चुनाव, शोधविधि एवं शोध उद्देश्यों को ध्यान में रखकर किया गया है। राघौगढ़ जनपद पंचायत में अनुसूचित जनजातीय आबादी से युक्त सात पंचायतें है इन सात पंचायतों में शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों की संख्या दस है, इन्ही दस शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में से ५० + ५० = १०० विद्यार्थियों को चुना गया है। शोध विधि के रूप में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है, आंकड़ों के संकलन में शोधकर्ता ने स्व निर्मित प्रश्नावली एवं विद्यालय के विगत सत्र के परीक्षा परिणाम को लिया गया है। समंकों के विश्लेषण के लिए टी दृ परीक्षण का प्रयोग किया गया है। शोधकर्ता ने शोध कार्य की सफलता के लिए शोध उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं का निर्माणकर, शोध कार्य को आगे बढाया गया । शोध विश्लेषण के उपरांत यह पाया गया की शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर है, आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से तुलनात्मक रूप से बेहतर है।

कुंजी शब्द– शैक्षिक उपलब्धि, शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालय, अनुसूचित जनजातीय विद्यार्थी, राघौगढ़ जनपद पंचायत, जिला गुना।

Introduction

वैदिक काल या यह कहा जाये की स्रष्टि के प्रारंभ से ही मानव जीवन के उतरोत्तर विकास में शिक्षा की अहम् भूमिका रही है, इसी कड़ी में भारत में जन मानस में शिक्षा के प्रसार के लिए विद्यापीठ और गुरुकुलों का स्ंचालन भारत भूमि पर हुआ, इन गुरुगुलों ने विश्व में शिक्षा के प्रत्तेक क्षेत्र अपना लोहा मनवाया। भारत में स्वतंत्रता से पूर्व और बाद में शिक्षा के प्रत्तेक स्तर पर विकास के लिए अनेकों आयोगों का गठन किया गया, इन आयोगों की अनुसंसाओं के उपरांत सरकार ने शिक्षा के विकास एवं विस्तार के लिए समय समय पर निर्णायक कदम भी उठाये, प्रथम कदम राष्ट्रीय शिक्षा

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

नीति १९८६ के रूप में सामने आया, उसके बाद २००१ में शिक्षा का अधिकार अधिनियम लुगू किया गया वर्तमान में केंद्र सरकार ने शिक्षा में एक नई क्रांति के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० लागू की। सभी आयोगों और नीतियों में एक बात सर्वमान्य है वह है कि किसी भी व्यक्ति परिवार समाज एवं राष्ट्र का विकास बिना प्राथमिक शिक्षा के संभव नहीं है।

भारत मूल रूप से कृषि प्रधान देश है, इसी कारण आज भी देश की ७० प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में ही वास करती है, इसी आबादी का कुछ भाग जंगलों में वास करता है इन्हें ही जनजातीय नाम से जाना जाता है। शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक करना ही इस शोध का मुख्या उद्देश्य है।

अध्ययन की आवश्यकता

वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारें अनुसूचित जनजातीय समाज के बालक बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने के लिए विभिन्न आधारभूत नियमों जैसे ८६वा संविधान संशोधन (२००१) के तहत निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा १४ वर्ष तक के बालक बालिकाओं के लिए, मध्यान्ह भोजन (१९९५), सर्व शिक्षा अभियान (२००१), एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (१९९७), जनजातीय आयोग (२००४) एवं जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग (म.प्र.) के संयुक्त प्रयासों के उपरांत ही इस समाज के बालक बालिकाएं आज शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ रही है। राघौगढ़ जनपद पंचायत, जिला दृ गुना में जनजातीय ग्रामीण क्षेत्र में संचालित शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन इस उद्देश्य से किया गया है कि इस क्षेत्र में संचालित शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों को शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के फलस्वरूप, उसका बालकों की शिक्षा पर प्रभाव पड़ रहा है कि नहीं, यह उनकी बुद्धिलब्धि के अध्ययन से आसानी से ज्ञात किया जा सकता है। बुद्धिलब्धि में सार्थक अंतर ही सरकार द्वारा किये गए प्रयासों का परिणाम होगा।

पूर्व अध्ययन

शोधकर्ता द्वारा राघौगढ़ जनपद में प्राथमिक विद्यालयों के विगत तीन वर्षों के परीक्षा परिणामों का अध्ययन किया गया।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय खेराड डाइस कोड २३०७०६१२६०१
शासकीय प्राथमिक विद्यालय खेराडखेडा डाइस कोड २३०७०६१६६०२
शासकीय प्राथमिक विद्यालय लक्षणपुरा डाइस कोड २३०७०६१४१०१
शासकीय बालक अ ज ज प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर डाइस कोड २३०७०६१२५०४
शासकीय प्राथमिक विद्यालय बरखेडा डाइस कोड २३०७०३२५८०१
शासकीय प्राथमिक विद्यालय खेरखेडी डाइस कोड २३०७०६११६०१
शासकीय प्राथमिक विद्यालय बैरखेडी डाइस कोड २३०७०६३३८०१
शासकीय प्राथमिक विद्यालय गारखेडा डाइस कोड २३०७०६११४०१
गीतांजलि पब्लिक स्कूल खेराड डाइस कोड २३०७०६१५१०५
सरस्वती शिशु मंदिर नसीरपुर डाइस कोड २३०७०६१५१०६

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

उक्त विद्यालयों के प्रवेश पंजीयन एवं परीक्षा परिणाम के अवलोकन से यह स्पष्ट रूप से विदित होता है की इन विद्यालयों में न तो अपेक्षा के अनुरूप छात्रों का पंजीयन हो पा रहा है और न ही परीक्षा परिणामों में कोई चमत्कार हो रहा है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बालक बालिकाएं शासकीय विद्यालयों में ही प्रवेश लेती है क्यों की वहां उन्हें शासन द्वारा प्रदान की गई योजनाओं का लाभ मिल जाता है जो बालक बालिकाओं की उदारपूर्ती का भी एक माध्यम बनता है, अशासकीय विद्यालयों में इन क्षेत्रों में प्रवेश पंजीयन की संख्या कम है, इस कारण इस क्षेत्र में इन विद्यालयों की संख्या कम है।

समस्या कथन

शासकीय एवं आशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन, राघौगढ़ जनपद पंचायत, जिला गुना के विशेष सन्दर्भ में

शासकीय प्राथमिक विद्यालय

प्रस्तुत शोध में शासकीय प्राथमिक विद्यालय से तात्पर्य राज्य सरकार की संवेधानिक इकाई जनपद पंचायत के द्वारा जिन विद्यालयों का संचालन किया जाता है।

आशासकीय प्राथमिक विद्यालय

प्रस्तुत शोध में आशासकीय प्राथमिक विद्यालय से तात्पर्य भारतीय नागरिकों द्वारा गैर सरकारी संगठन का पंजीयन वैधानिक रूप से कराकर, उस संगठन द्वारा शासन की नियमों का पालन करते हुए संचालित विद्यालय, अशासकीय या निजी विद्यालय कहलाता है।

शैक्षिक बुद्धिलब्धि

अनुसंधान कर्ता ने प्रस्तुत शोध में शैक्षिक बुद्धिलब्धि के रूप में विगत बर्षों के परीक्षा परिणाम एवं स्व निर्मित उपलब्धि परिक्षण पर छात्रों के आये हुए अंक है।

शोध के उद्देश्य

इस शोध को पूर्णता प्रदान करने हेतु निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गए है –

१. राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बुद्धिलब्धि ज्ञात करना।

२. राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बुद्धिलब्धि ज्ञात करना।

३. राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बुद्धिलब्धि का तुलनात्मक विश्लेषण करना।

शोध परिकल्पना

१. राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बुद्धिलब्धि कोई सार्थक अंतर नहीं है।

अध्ययन क्षेत्र

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

प्रस्तुत शोध में अध्ययन क्षेत्र केवल राघौगढ़ जनपद पंचायत के अ ज ज बाहुल्य आठ पंचायतों में संचालित शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक विद्यालयों को लिया गया है।

समंकों का विश्लेषण एवं ब्याख्या

इस शोध का उद्देश्य राघौगढ़ जनपद पंचायत के अ ज ज बाहुल्य आठ पंचायतों में संचालित शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक बुद्धिलब्धि को ज्ञात करना है। शोधकर्ता ने पूर्व में निर्धारित किये गए उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं के अनुसार परिक्षण में प्राप्त आकड़ों का क्रमशः विश्लेषण किया गया है जो इस प्रकार है

१. राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना –

उपरोक्त उद्देश्य की प्राप्ति हेतु शोधकर्ता द्वारा विकसित शैक्षिक उपलब्धि परिक्षण (पूर्णांक २५) पर राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त प्राप्तांकों का विश्लेषण किया गया । जिसके अंतर्गत प्राप्तांकों के मध्यमान एवं मानक विचलन की गणना की गई। जिसे सारणी १.१ में दिखाया गया है –

सारणी १.१

राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्त अंकों का मध्यमान एवं मानक विचलन

स. क्र.	परिक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों का प्रतिशत	मानक सारणी पर प्राप्त परिणाम
१.	**शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि**	५०	७.७२	३.६९	३०.८८	न्यूनतम अधिगम स्तर नाहीं

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण में राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का मध्यमान ७.७२ तथा मानक विचलन ३.६९ है। यह मध्यमान इस परीक्षण पर प्राप्त अंकों के मूल्यांकन मापनी के लिए बनाई गई तालिका के न्यूनतम अधिगम स्तर की नहीं के अंतर्गत आता है। इस आधार पर राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शौक्षिक उपलब्धि न्यूनतम अधिगम स्तर की नहीं है।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

२. राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।

उपरोक्त उद्देश्य की प्राप्ति हेतु शोधकर्ता द्वारा विकसित शैक्षिक उपलब्धि परिक्षण (पूर्णांक २५) पर राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त प्राप्तांकों का विश्लेषण किया गया। जिसके अंतर्गत प्राप्तांकों के मध्यमान एवं मानक विचलन की गणना की गई। जिसे सारणी १.२ में दिखाया गया है।

सारणी १.२

राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्त अंकों का मध्यमान एवं मानक विचलन

स. क्र.	परिक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों का प्रतिशत	मानक सारणी पर प्राप्त परिणाम
१.	**अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि**	५०	१३.८२	३.८६	५५.२८	न्यूनतम अधिगम स्तर नाहीं

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण में राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का मध्यमान १३.८२ तथा मानक विचलन ३.८६ है। यह मध्यमान इस परीक्षण पर प्राप्त अंकों के मूल्यांकन मापनी के लिए बनाई गई तालिका के न्यूनतम अधिगम स्तर की ओर अग्रसरित के अंतर्गत आता है । इस आधार पर राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शौक्षिक उपलब्धि न्यूनतम अधिगम स्तर की अग्रसरित हो रही है।

३. राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बुद्धिलब्धि का तुलनात्मक विश्लेषण करना।

उपरोक्त उद्देश्य की प्राप्ति हेतु शोधकर्ता द्वारा शून्य परिकल्पना का निर्माण किया गया, यह है – राघौगढ़ जनपद पंचायत की अ ज ज बाहुल्य क्षेत्र में संचालित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बुद्धिलब्धि कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना के परीक्षण हेतु शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षिक उपलब्धि पर प्राप्त अंकों की तुलना की गई है, तुलना के लिए अनुपात का मन सारणी १.३ में दिया गया है –

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

सारणी १.३

स. क्र.	परिक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	मुक्तांक (DF)	टी-अनुपात	सार्थकता स्तर
१.	शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि	५०	७.७२	३.६९	९८	८.०३	०.०१ = २.६३
	अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि	५०	१३.८२	३.८६			

उपसंहार

यहाँ यह देखने योग्य है की इस पूरे क्षेत्र में अशासकीय विद्यालयों की संख्या दो (०२) है जो माध्यमिक स्तर तक है जबकि शासकीय विद्यालयों की संख्या नों (०६) है, इनमे दो मिडिल स्तर तक है। अशासकीय विद्यालयों में वही परिवार अपने बच्चों को भेज पा रहे है जिनकी आर्थिक स्थिति थोड़ी ठीक ठाक है एवं अपने बच्चों को पडाने की इच्छा प्रबल है। यह एक मूल कारण माना जा सकता है कि अशासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने बाले छात्रों की बुद्धिलब्धि शासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने बाले छात्रों से अधिक है।

सुझाब

प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के स्तर को उन्नत करने हेतु सुझाब

१. सभी शासकीय विद्यालयों में नियमानुसार शिक्षकों की कमी है, इस कमी को शिक्षकों की भर्ती करके पूरा किया जा सकता है, जिसका सीधा प्रभाव छात्रो की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ेगा।

२. प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को अतिरिक्त कार्यों से मुक्त किया जाना चाहिए, यदि अतिरिक्त कार्य लेना ही है तो ये कार्य बार्षिक अवकाश के दिनों में कराये जाने चाहिए, जिससे पढाई प्रभावित न हो।

३. शिक्षक अपने दायुत्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी से करने के लिए प्रेरित हो।

४. प्राथमिक विद्यालयों में अधिगम सामग्री का प्रयोग शिक्षकों द्वारा अपने कक्षा शिक्षण में करना चाहिए।

५. शिक्षकों को सतत रूप से अपने छात्रों का मूल्यांकन कर उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।

६. अभिभावकों को भी अपने बालक बालिकाओं पर ध्यान देना चाहिए, जिससे बालकों में अध्ययन आदतों का विकास होगा।

७. अधिगम प्रक्रिया सरल और रुचिकर होनी चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

1. शिक्षक प्रशिक्षण संदर्शिका दृ स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल २०१६
2. शिरीष पल सिंह, दीपमाला – सामाजिक विज्ञान विषय की उपलब्धि पर आगनात्मक प्रशिक्षण प्रतिमान की प्रभावशीलता, प्राथमिक शिक्षक वर्ष ४४ अंक ०१ जनबरी २०२० पेज ३५

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

3. बुच एम बी , सर्वे ऑफ़ रिसर्च इन एजुकेशन , न्यू देहली , एन सी ई आर टी १९९२
4. गुप्ता एस पी और गुप्ता अलका उच्चतर शिक्षा मनिविज्ञान, सारदा प्रकाशन २००४
5. शिक्षक संदर्शिका दृ प्रायोगिक संस्करण, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, न्यू देहली १९७९
6. प्रशिक्षण संदर्शिका – राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़, रायपुर, सत्र २००७–२००८